# 3 विज्ञापन-लेखन

## विज्ञापन का अर्थ

विज्ञापन का अर्थ है- इश्तिहार अथवा एडवरटाईजमेंट। इसके द्वारा मनुष्य अपनी योग्यता या किसी वस्तु के गुण दूसरों पर प्रकट करके उसे अपनी ओर आकर्षित करता है।

विज्ञापन शब्द 'वि + ज्ञापन' से मिलकर बना है। इसका तात्पर्य है- विशेष रूप से सूचित करना या बतलाना या विशेष ढंग से अपनी वस्तु की खबर देना या प्रचार करना। इतना ही नहीं आज विज्ञापन का वास्तविक उद्देश्य होता है दूसरों को अपनी सेवा या वस्तु खरीदने के लिए प्रेरित करना या विचार का देना।

## विज्ञापन की परिभाषाएँ

- प्रोफेसर प्रदीप माथुर– "किसी विचार, वस्तु या सेवा की सूचना का प्रचार ही विज्ञापन है।"
- शेल्डन– "विज्ञापन वह वास्तविक शक्ति है जिससे मुद्रित शब्दों द्वारा विक्रय करने, उसकी ख्याति व साख निर्माण में सहायता मिलती है।"
- गुलाब कोठारी– "विज्ञापन अपने आप में जनसंचार का एक पूर्ण व स्वतंत्र माध्यम है जिसका मुख्य आधार पाठक व दर्शक वर्ग तक विभिन्न माध्यमों के द्वारा जानकारी पहुँचाना है।"

विज्ञापन में चार बातें उभरकर सामने आती हैं-

1. विज्ञापन देने वाले की ओर से विज्ञापन माध्यम को शुल्क का भुगतान किया जाता है। निःशुल्क संदेश को विज्ञापन नहीं माना जा सकता।
2. विज्ञापन देने के लिए आवश्यक है कि उसकी प्रस्तुति किसी जनसंचार माध्यम, जैसे-रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र, पत्रिका आदि से हो।
3. विज्ञापन की सहायता से उत्पादों के साथ-साथ विचारों और सेवाओं को भी बेचा जा सकता है। कंपनी उत्पादों के अलावा विभिन्न बैंक तथा बीमा कंपनियाँ अपनी सेवाओं का विज्ञापन करती हैं।
4. विज्ञापन का प्रायोजक कोई विशिष्ट विज्ञापनकर्ता होता है।

## विज्ञापन के लाभ

(क) **उत्पादकों को लाभ**– विज्ञापन वस्तुओं की माँग में वृद्धि करके उसकी ख्याति व बिक्री को बढ़ाता है। बड़े पैमाने पर उत्पादन से लागत-मूल्य घटता है।



Scanned by TapScanner

(ख) **उपभोक्ताओं को लाभ**– विज्ञापन से उपभोक्ताओं को नए-नए उत्पादों की जानकारी मिलती है। उन्हें नई-नई वस्तुओं के मूल्य, उपयोग, प्राप्ति-स्रोत आदि के संबंध में जानकारी मिलती है। इससे उपभोक्ता को खरीददारी में आसानी हो जाती है। विज्ञापन वस्तुओं की क्वालिटी में भी सुधार लाते हैं। अधिक बिक्री का लाभ उपभोक्ता को भी मिलता है। चीजें सस्ती हो जाती हैं।

(ग) **समाज व राष्ट्र को लाभ**– विज्ञापन से समाज व राष्ट्र को भी अनेक लाभ होते हैं। विज्ञापन से लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। यह एक व्यवसाय है। इसमें अनेक लोग लगे हुए हैं; जैसे-विज्ञापन का डिज़ाइन ब्लॉक बनाने वाले, छापने वाले, पोस्टर बाँटने-चिपकाने वाले आदि। विज्ञापन से समाचार पत्रों को बहुत आय होती है। समाचार पत्र विज्ञापन को छापने के कारण ही इतने सस्ते मिल जाते हैं। सरकार को टैक्स मिलता है।

## विज्ञापन के दोष

विज्ञापन दोषों से मुक्त नहीं है। विज्ञापन जब केवल व्यवसायी के हितों का पोषण करता है तब यह दोषपूर्ण हो जाता है। कई बार वस्तु की गुणवत्ता को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर बताया जाता है। तब ग्राहक ठगा जाता है। कई विज्ञापन भ्रामक भी होते हैं। विज्ञापन के कारण उत्पादित वस्तुओं की कीमत बढ़ जाती है क्योंकि विज्ञापन खर्च उत्पादन में जोड़ लिया जाता है।

## अच्छे विज्ञापन की विशेषताएँ

(क) **आकर्षक** – विज्ञापन को आकर्षक और रुचिकर होना चाहिए। इसके लिए सशक्त शब्दों, मनमोहक चित्रों, आकर्षक नारों तथा मधुर गीतों का प्रयोग किया जाता है; जैसे–

हीरो होंडा – देश की धड़कन
तूफानी ठंडा – थम्सअप
पेप्सी – ये दिल माँगे मोर

(ख) **सुझावात्मकता** – कई विज्ञापनकर्ता पाठकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए उनकी समस्या का हल भी प्रस्तुत करते हैं। बैंक और बीमा निगम इस प्रकार के विज्ञापनों का प्रयोग करते हैं।

**भारतीय स्टेट बैंक की शैक्षिक ऋण योजना**

- उच्च शिक्षा हेतु पर्याप्त राशि
- कई दरें निम्नतम स्तर पर
- पूर्व भुगतान पर रियायत
- घटते बकाया पर ब्याज
- कोई छिपा फाइल खर्च नहीं

(ग) **पूर्ण विश्वास दिलाना**– इस प्रकार के विज्ञापनों में गुणवत्ता की गारंटी, जीते गए पुरस्कारों की जानकारी, वापसी की गारंटी, चित्र का प्रयोग किया जाता है। टूथपेस्ट के विज्ञापन में ब्रश करते दिखाया जाता है, कीटाणुओं को मरते दिखाया जाता है; जैसे–

एक स्वर – कोलगेट का हमला : छिपे कीटाणुओं पर; हमारा टूथब्रश वहीं पहुँचता जहाँ कीटाणु छिपे रहते हैं।
दूसरा स्वर – इसमें नमक मिला है। यह दाँतों को सफेद बनाता है।



Scanned by TapScanner

भावनात्मकता– भावनात्मक, अपीलयुक्त विज्ञापन श्रोता के अवचेतन मन को प्रभावित करते हैं। बच्चों के उत्पादों से संबंधित विज्ञापन इसी प्रकार के होते हैं; जैसे–

'पालन-पोषण सही कीजिए–
'बच्चों को बोर्नवीटा दीजिए'

× × ×

'आयोडेक्स मलिए–काम पर चलिए'

## विज्ञापन के माध्यम

संचार के माध्यम हैं, वही विज्ञापन के भी माध्यम हैं। विज्ञापन संचार के लिए ही होते हैं। इसलिए विज्ञापन के सूचना देने में संचार के सभी तरह के माध्यम अपनाए जाते हैं। ये माध्यम इस प्रकार हैं–

(क) मुद्रण माध्यम – समाचार पत्र, पत्रिकाएँ।

(ख) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम – (*i*) श्रव्य माध्यम – रेडियो, मुनादी आदि।
(*ii*) दृश्य, श्रव्य माध्यम – टेलीविज़न, इंटरनेट।

(ग) चलचित्र माध्यम – फिल्म, डाक्यूमेंटरी

(घ) अन्य माध्यम – आउटडोर होर्डिंग, पोस्टर, बैनर, प्रदर्शनी, स्टीकर, उपहार, डायरी, कैलेंडर आदि।

## विज्ञापन के कुछ उदाहरण

1. रिलैक्सो चप्पल का 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

**रिलैक्सो चप्पल–आराम का दूसरा नाम**

- आरामदायक और मजबूत।
- नए डिजाइन और कम दाम।
- एक बार प्रयोग करेंगे तो हमेशा रिलैक्सो ही पहनेंगे।
- रिलैक्सो चप्पल जो सचमुच आराम देती है।

2. मासिक पत्रिका 'चित्रलेखन' के लिए एक विज्ञापन प्रस्तुत कीजिए।

**चित्रलेखन फिल्म विशेषांक**

★ इस बार प्रस्तुत है पाँच नई फिल्मों के बारे में फिल्म विशेषज्ञों के विचार।
★ ग्लोबल वार्मिंग पर देश-विदेश के विद्वानों के लेख तथा अन्य सभी स्थाई स्तम्भ।
★ अपनी प्रति आज ही सुरक्षित कराएँ।
★ आपके नजदीकी सभी बुक-स्टॉल पर उपलब्ध।



Scanned by TapScanner

3. रैक्सोना साबुन पर एक विज्ञापन लिखिए।

# हम सबकी पसंद "रैक्सोना साबुन"

- ➡ ताजगी और सुगंध से भरपूर "रैक्सोना साबुन"
- ➡ रैक्सोना साबुन कीटाणुनाशक और हानिप्रद रसायनों से रहित है।
- ➡ इसके इस्तेमाल से खूबसूरती में निखार आए और त्वचा खिल-खिल जाए।

4. 'अयूर शैम्पू' के लिए 20-25 शब्दों का एक विज्ञापन प्रस्तुत कीजिए।

# अयूर शैम्पू

- ✶ तुम्हारे बाल इतने रूखे और बेजान क्यों हैं?
- ✶ साधारण शैम्पू छोड़ो और एक बार अयूर शैम्पू लगाकर तो देखो और [illegible]
- ✶ अयूर शैम्पू बालों को लंबा, मजबूत और घना बनाता है।
- ✶ सबसे पुराना और विश्वसनीय शैम्पू अयूर शैम्पू।

5. बालों के तेल के लिए 20-25 शब्दों का एक विज्ञापन लिखें।

# खूबसूरत काले-लंबे बाल-पैराशूट कोकोनेट हेयर आयल का कमाल

कमला - मेरे बाल बेजान हो गए हैं, इन्हें मजबूत और खूबसूरत बनाने के लिए मैं क्या करूँ?

विमला - लंबे और रेशमी बालों के लिए "पैराशूट कोकोनेट हेयर आयल" का उपयोग करें। यह बालों को नई जिंदगी देता है।



Scanned by TapScanner